www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कैडल

के संस्करण 2016

2. पहचान एवं उपचार।

2.1 इसकी पहचान कैसे होती है ?

सबसे पहले इन लक्षणों को देखकर बीमारी का संदेह होना चाहिए। कैडल की बीमारी अनुवांशिक जांच से ही साबित हो सकती है। कैडल के निदान की पुष्टि की जाती है, अगर रोगी में 2 उत्परिवर्तन होते हैं, प्रत्येक माता-पिता से एक। यह अनुवांशिक जाँच हर तृतीयक देखभाल केंद्र में उपलब्ध नहीं है।

2.2 जाँच का क्या महत्व है ?

खून की जाँच में ESR, CRP, CBC और फिब्रिनोजन की जाती है जो की शरीर में सुजन व खून की कमी को निर्धारित करते है। लिवर प्रभावित हो रहा है कि नहीं इसके लिए लिवर के एंजाइम की जांच कराना चाहिए।
यदि जांच का परिणाम सामान्य या सामान्य के आसपास हो तो भी यह समय-समय पर करना चाहिए। अनुवांशिक जांच के लिए भी खून की थोड़ी सी मात्रा की आवश्यकता होती है।

2.3 क्या इस बीमारी का इलाज किया जा सकता है या ठीक किया जा सकता है ?

कैडल एक अनुवांशिक बीमारी है, जिसका संपूर्ण इलाज संभव नहीं है।

2.4 इसका इलाज क्या है ?

इस बीमारी का प्रभावशील चिकित्सकीय ईलाज संभव नहीं है। उच्च मात्रा में स्टेरॉइड (1-2 मिग्रा./किग्रा./दिन) देने से कुछ लक्षण जैसे त्वचा के दाने, बुखार और जोड़ो का दर्द में सुधार दिखते है, किन्तु मात्रा कम करने पर यह वापस दिखाई पड़ते है। ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर अल्फ़ा (TNF-Alpha) अवरोधक और IL-1 (anakirna) कुछ समय के लिए आराम दे सकते है, पर कुछ मरीजों में बढ़ा भी सकते है। प्रतिरक्षातंत्र को कम करने वाली दवा टॉसलिजुम्ब का प्रभाव सीमीत है। JAK काईनेस अवरोधक के प्रभाव की खोज अभी जारी है

|

2.5 दवा के दुष्प्रभाव क्या हो सकते है ?
कोर्तकिोस्टेरोइड्स के साथ वजन का बढ़ना, चेहरे पर सुजन, और मजिाज का बदलना जैसे दुष्प्रभाव हो सकते है। यदि स्टेरॉयड को लम्बे समत तक दयिा गया तो, ये वकिास में बाधक, ऑस्टयिोपोरोसिस, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के दमन का कारन बन सकता है।
TNF-α अवरोधक नई दवाएं है, उनके उपयोग से संक्रमण का खतरा, TB का सक्रयि होन न्यूरोलॉजकिल या अन्य प्रतरिक्षा रोगों के होने की अत्यधकि जोखमि हो सकती है। कैंसर होने का संभावति खतरा भी बताया गया है। वर्तमान में, ऐसा कोई भी आंकड़ा नहीं है, जो इन दवाओं के साथ बढ़े हुए खतरों को साबति करता है।

2.6 इसका इलाज कतिने समय तक चलना चाहए ?
इस बीमारी का इलाज जीवन भर चलता रहता है।

2.7 अपरम्परागत या पुरक चकित्सा के बारे में क्या है ?
कैंडल सड्रिोम के लए इस प्रकार की चकित्सा के बारे में कोई सबुत नही है।

2.8 इसके लए कसि प्रकार की आवधकि जांच की आवश्यकता है ?
बच्चो को नयिमति (वर्ष में तीन बार) बच्चों के रयिुमेटोलोगस्टि रोग के नयिंत्रण के लए नगिरानी में रखकर चकित्सा उपचार को समायोजति करना चाहए। इलाज कयि जा रहे बच्चो में खून और पेशाब की जाँच कम से कम दो बार वार्षकि होना चाहए।

2.9 बीमारी कब तक रहेगी ?
कैंडल एक जीवन भर की बीमारी है, हलाकि बीमारी की गतविधि में समय के साथ उतार-चढ़ाव हो सकते है।

2.10 बीमारी की दीर्घावधि पूर्वानुमान (पूर्वानुमानति परणिाम और चरण) क्या है ?
आयु संभावता से समझौता कयिा जा सकता है, मृत्यु बहुत सारे अंगो में सुजन आने के कारण होती है। जीवन की गुर्नवत्ता काफी हद्द तक प्रभावति होती है, जसिमे रोगयिों की गतविधि कम हो जाती है, बुखार, दर्द और बार-बार अत्यधकि सुजन हो सकता है।

2.11 क्या यह पूरी तरह से ठीक हो सकता है ?

नहीं, क्योंकि यह एक अनुवांशिक बीमारी है।